(ग) सरल तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर।

छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा ।।

लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा ।।

अथवा

यह महान दृश्य है,

चल रहा मनुष्य है,

अश्रु स्वेद रक्त से,

लथपथ लथपथ लथपथ,

अग्निपथ, अग्निपथ, अग्निपथ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

21.12.2023 (E)

Maitreyi College LIBRARY Chanakyapuri, New Delhi-110021

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2447 G

Unique Paper Code : 2055091002

Name of the Paper : Hindi Bhasha aur Sahitya ka Udbhav aur Vikas (B)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) – GE**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) हिंदी भाषा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

राजस्थानी बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) राम भक्ति काव्य धारा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

छायावाद की प्रमुख प्रवृतियाँ बताइए।

2. कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

तुलसी के राम का स्वरुप स्पष्ट कीजिए।

3. 'बिहारी के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

'भूषण वीर रस के कवि हैं' विवेचन कीजिए।

4. हरिवंशराय बच्चन का साहित्यिक परिचय दीजिए। (12)

अथवा

'अरुण यह मधुमय देश हमारा' कविता में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (10,10,10)

(क) यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान।।

अथवा

जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहिं निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।
सौहैं करैं भौहैंनु हँसे, दैन कहैं नटि जाइ।।

अथवा

साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धरि, सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत हैं।

भूषण भनत नाद बिहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के रलत हैं।

ऐल-फैल खैल-भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैल -पैल सैल उसलत हैं।

तारा सो तरनि धूरि-धारा में लगत जिमि, थारा पर पारा पारावार यों हलत हैं।

munotes.in